अमेरिका संग बढ़ती उम्र में होने वाले रोगों की रोकथाम विषय पर वेबिनार आयोजित

एनपीटी, ब्यूरो

गाजियाबाद। टेक्सास, अमेरिका की रिसर्च साइंटिस्ट डॉ0 विजय गिरधरन ने आईटीएस कॉलेज आफ फामेर्सी में आयोजित एक वेबिनार जिसका शीर्षक एप्लीकेशन आफ नेचुरल प्रोडक्ट इन काग्निटिव बिहैव्यर था में व्याख्यान देते हुए तमाम ऐसे रोग जो बढ़ती उम्र में होते है, जैसे कि एल्जाइमर रोग एवं डिमेंशिया इत्यादि के रोकथाम में घर मे उपयोग किये जाने वाले कुछ पौधे जैसे तुलसी, एलोवेरा, हल्दी, इत्यादि पर नित नये खोज के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इनको अपने भोजन का अनिवार्य अंग बनाये जाने की बात कही। डॉ0 विजय श्री वर्तमान मे अमेरिका के एक जानी मानी संस्था टेक्सास हैल्थ साइंस, हयूस्टन यू0एस0ए0 में बतौर वैज्ञानिक शोध कार्यरत है।

इससे पहले उन्होंने जापान में निमेय विश्वविद्यालय में भी शोध कार्य किया है। इस दौरान आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं एंव छात्र-छात्राओं सहित लगभग 80 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस दौरान कई छात्र-छात्राओं ने विषय से संबंधित सवाल किये जिसका जवाब डॉ0 विजय तथा अमेरिका के ही एक और वैज्ञानिक डॉ0 ए0टी0 राजराजन ने जवाब दिया। लॉकडाउन के चलते शिक्षा के प्रसार हेतु आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन तथा फामेर्सी कॉलेज के डायरेक्टर डॉ0 एस0 सदीश के निर्देशन में निरंतर आनलाईन क्लासेज एवं वेबिनार का आयोजन हो रहा है।

आईटीएस कॉलेज आफ फार्मेसी में अमेरिका से हुई वेबिनार

बढ़ती उम्र के रोगों से बचाव के लिए हमारा रसोई घर महत्वपूर्ण :डॉ. विजय

मुरादनगर(म.वा.)। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस कॉलेज आफ फामेर्सी में टेक्सास, अमेरिका की रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. विजय श्री गिरधरन ने आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया।

जिसका शीर्षक एप्लीकेशन आफ नेचुरल प्रोडक्ट इन काग्निटिव बिहैव्यर था ' उन्होंने वेबीनार में व्याख्यान देते हुए तमाम ऐसे रोग जो बढ़ती उम्र में होते है, जैसे कि एल्जाइमर रोग एवं डिमेंशिया इत्यादि के रोकथाम में घर मे उपयोग किये जाने वाले कुछ पौधे जैसे तुलसी, एलोवेरा, हल्दी, इत्यादि पर नित नये खोज के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इनको अपने भोजन का अनिवार्य अंग बनाये जाने की बात कही। डॉ. विजय श्री वर्तमान मे अमेरिका संस्था टेक्सास हैल्थ साइंस, हयूस्टन यूएसए में बतौर वैज्ञानिक शोध कार्यरत है। इससे पहले उन्होंने जापान में निमेय

● रोगों की रोकथाम के लिए घर में उठाए जाने चाहिए कदम

विश्वविद्यालय में भी शोध कार्य किया है। इस दौरान आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं एंव छात्र-छात्राओं सहित लगभग 80 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस दौरान कई छात्र-छात्राओं ने विषय से संबंधित सवाल किये' जिसका जवाब डॉ. विजय श्री तथा अमेरिका के ही एक और वैज्ञानिक डॉ. ए.टी. राजराजन ने जवाब दिया। लॉक डाउन के चलते शिक्षा के प्रसार हेतु आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन तथा फामेर्सी कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. एस.सदीश के निर्देशन में निरंतर आनलाईन क्लासेज एवं वेबिनार का आयोजन हो रहा है।

आई.टी.एस कॉलेज आफ फामोर्सी में अमेरिका से हुई वेबिनार

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र के आईटीएस कॉलेज आफ फामेर्सी में टेक्सास, अमेरिका की रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. विजय श्री गिरधरन ने आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया ' जिसका शीर्षक एप्लीकेशन आफ नेचुरल प्रोडक्ट इन काग्निटिव बिहैव्यर था ' उन्होंने वेबीनार में व्याख्यान देते हुए तमाम ऐसे रोग जो बढ़ती उम्र में होते है, जैसे कि एल्जाइमर रोग एवं डिमेंशिया इत्यादि के रोकथाम में घर मे उपयोग किये जाने वाले कुछ पौधे जैसे तुलसी, एलोवेरा, हल्दी, इत्यादि पर नित नये खोज के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इनको अपने भोजन का अनिवार्य अंग बनाये जाने की बात कही। डॉ. विजय श्री वर्तमान मे अमेरिका संस्था टेक्सास हैल्थ साइंस, हयूस्टन यूएसए में बतौर वैज्ञानिक शोध कार्यरत है। इससे पहले उन्होंने जापान में निमेय विश्वविद्यालय में भी शोध कार्य किया है। इस दौरान आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं एंव छात्र–छात्राओं सहित लगभग 80 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इस दौरान कई छात्र–छात्राओं ने विषय से संबंधित सवाल किये ' जिसका जवाब डॉ. विजय श्री तथा अमेरिका के ही एक और वैज्ञानिक डॉ. ए.टी. राजराजन ने जवाब दिया। लॉक डाउन के चलते शिक्षा के प्रसार हेतु आई.टी.एस.–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन तथा फामेर्सी कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. एस.सदीश के निर्देशन में निरंतर आनलाईन क्लासेज एवं वेबिनार का आयोजन हो रहा है।